रात्रि क्लास 30-12-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

अभी शिवजयन्तिपर मनुष्यों को समझानी कैसे देवें जो मनुष्य झट समझ जाये। इसके लिये बच्चों को विचार करना है। पहले2 तो बाप का परिचय देना है उनकी महीमा भी पुरी करनी है। वह बाप ही पतित-पावन है। कहते भी हैं हम पतित हैं। गांधी भी कहते थे हे पतित-पावन आओ। रामराज्य स्थापन करो। या कहा मै रा राज्य स्थापन कर रहा हूं। तो जरूर वह भी रावण-राज्य मे था रावण-राज्य मे सभी पतित ही होते हैं। राम-राज्य मे सभी पावन होते हैं। तुम बच्चों को विचार करना है हम किसको कैसे समझावें जो मनुष्य समझ जाये। आखरीन तो समझना ही है। कल्प पहले जिन्होने समझा है वह समझेंगे। पहले2 तो बाप की महिमा करनी हैं। परिचय देना है। वही बाप पतित-पावनहै। हर एक मनुष्य कहते हैं हम पतित हैं। आप आकर पावन बनाओ। राजा रानी वा कोईभी है पतित जरूर है। साधु सन्त आदि सभी कहते हैं पतित-पावन आओ। पतितदुनिया, पतितदुनिया भी है। पतित दुनिया जरूर पुरानी दुनिया को, पावन दुनिया नई दुनिया को कहा जाता है। इस समय कलियुग का अन्त है। जबकिपुकारते हैं हे पतित पावन आओ। गांधी तो पुकारते हो गये। अभी यह ब्रह्माकुमारियां ही कहती हैंहम पावन दुनिया बना रहे हैं। विश्व मे शांति स्थापन हो रही हैं। इस विनाश के बाद एक धर्म की स्थापना अनेक धर्मोका विनाश। ब्रह्मा दवारा स्थापना नई दुनिया की, शंकर द्वारा पुरानी दुनिया का विनाश होना है। फिर जो स्थापना करते हैं वही फिर पालना भी करेंगे। अभी बाप कहते हैं प्रेम×त्र× पावन बनो। पतित-पावन बाप कहते हैं तुम सभी पतित हो। पावन होती नहीं इसकलियुग मे। पतित-पावन बाप आवे तब ही पावन बनावे नम्बरवन पावन है यहल0नाम। सतोप्रधान थे। फिर 84 जन्म ले पतित बने हैं। फिर बाप को याद करना है। बाप कहते हैं तुम्हारी आत्मा सतोप्रधान बनी है। अभी एक पावन बाप के साथ बुद्धि का योग लगाओ। तो पवित्र बन जावेंगे। पवित्र बनकर स्वीटहोम चले जावेंगे। फिर पावन दुनिया भी चाहिए। वह है ही यह देवी देवताओं की दुनिया। मनुष्य को देवता बनाने वालाएक ही भगवान है। वह कहते हैं मुझे याद करो तो पाप विनाश हो जावेंगे। फिर मेरे दवारा राजयोग सीखो। बातें तो बड़ी क्लीयर है। बच्चों को समझ मे भी आता है। यह अच्छी रीत याद करो। परन्तु माया भूलाये देती हैं। भगवानुवाच माया भूलावेंगी। इसलिये बाबा ने जो समझाया वह लिखो। छपाये दो। तो कब भूलेंगे नहीं। टाईम भी 5मिनटलगा समझाने मे। बाप कहते हैं याद करो। ऐसे नहीं एक जगह बैठना है। वह तो हठयोग हो गया। बाप कहते है घूमो फिरो चक्र लगाओ। हठयोग नहीं करना है। फिर बिठाते क्यों हो। बाप को चलते फिरते याद करते रहो। भूल जाने कारण साथ दिया जाता है। तो बल मिलेगा। न याद कर सकते हैं इसलिये बिठाया जाता है संग मे मदद मिलेगी। बाकी याद तो कहां भीकरो। ऐसे नहीं कोई दृष्टि देवे। आपस मे भी याद मे बैठ जाओ। भल चाहे कोई जगह कहां पर भी हो याद करना है। याद करो और स्वदर्शनचक्र फिराओ। जहां भी जावेंगे शिव का मंदिर तो होगा ही नहीं। शिव को ही याद करना है। बोलो यही बाप पतित पावन है। उनको याद करो तो पावन बन जावेंगे। और 84 के चक्र फिराओ। तो तुम चक्रवर्ती राजा बन जावेंगे। दैवीगुण तो धारण करनी ही है। दैवीगुणों की महिमा करते हो वह बनो। यह कुछ भी बीड़ी आदि नहीं पीते हैं। एक दो को भी तुम समझा सकते हो। समझाने समय बच्चे पायन्ट भूल जाते हैं। माया भूलाती है। नालेज को भी भूलाती है। योग भी भूलाती है। बाबा खुद कहते हैं। ख्याल आता है फलानी पायन्ट समझानी थी। पक्के हो जावेंगे तो भूलेंगे ही नहीं। बाबा कुछ कागज आदि उठाते हैं क्या। बाबा कोई शास्त्र थोड़ेही उठाते हैं। तुमको भी पक्का हो जाना है सनानें लिये। पहले अपने से ही माथा मार पक्का करो। जितना अच्छी रीत पायन्ट नोट कर धारण करेंगे उतना ही पक्का होता जावेगा। धन की वृधि होती रहेगी। कुछ न कुछसमाना है। नेपाल मे छोटे बच्चों को भी हथियार चलाना सिखलाते हैं। यह तो है अज्ञान की बातें। छोटे2 बच्चों को सिखाना होता है शिव बाबा को याद करो। फिर बड़ा होकर नालेज भी सीख जावेंगे। औरों का कल्याण करना है। ऐसे नहीं कि बच्चे नहीं सीख सकते हैं। स्कूल मे भी बच्चे पढ़ते हैं ना। अच्छा2 पार्ट बजाते हैं। बच्चों मे गुण भी अच्छे होते हैं। तो बच्चों का भी जीवन सफल करना है। अच्छा गुडनाईट और नमस्ते।

30-12-68 ए-1 NC